एक नजर में

इंदिरा सागर पावर स्टेशन में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 के वॉकाथन का आयोजन

मून्दी। एनएचडीसी के इंदिरा सागर पावर स्टेशन में दिनांक 29.10.2025 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के तहत एक वॉकाथन का आयोजन किया गया। वॉकाथन को माननीय परियोजना प्रमुख श्री अजीत कुमार ने झंडी दिखाकर रवाना किया । भ्रष्टाचार मुक्त भारत और पारदर्शी कार्यशैली को ''सतर्कता- हमारी साझा जिम्मेदारी'' के विषय को बढ़ावा देने के नारे लगाए गए । वॉकाथन में परियोजना प्रमुख अजीत कुमार, गोपाल खण्डेलवाल, महाप्रबंधक (सिविल), हरेन्द्र प्रताप सिंह, महाप्रबंधक (आईटी), परियोजना सतर्कता अधिकारी जगनारायण टिकरिहा एवं सभी विभागाध्यक्ष, पदस्थ अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं आईएसएफ के जवान बड़ी संख्या में शामिल हुए ।

मेल और ट्वीट किए,पोस्टकार्ड अभियान शुरू किया

खंडवा। निमाड़ क्षेत्र में लंबे समय से खंडवा को संभाग का दर्जा देने की मांग एक बार फिर तेज हो गई है। इसी क्रम में सामाजिक संगठन सद्भावना मंच सदस्यों ने भी सरकार से खंडवा को नया संभाग घोषित करने की मांग की है। मंच के कार्यालय में उक्त विषय के मेल और ट्वीट कर इस आशय की मांग की गई, साथ ही पोस्टकार्ड भी लिखे गए। सद्भावना मंच ने आम जनता से भी निवेदन किया है कि मुख्यमंत्री को उक्ताशय के पत्र लिखें। सद्भावना मंच के सदस्य कमल नागपाल ने बताया कि इस संदर्भ में सद्भावना मंच संस्थापक प्रमोद जैन ने कहा कि खंडवा भौगोलिक, प्रशासनिक और जनसंख्या के हिसाब से संभाग बनने के सभी मानदंड पूरे करता है। वर्तमान में निमाड़ क्षेत्र के कई जिले खंडवा,बुरहानपुर,खरगोन और बड़वानी इंदौर संभाग में आते हैं, जिससे प्रशासनिक कार्यों में लोगों को इंदौर तक जाना पड़ता है। इससे आम जनता को समय और धन दोनों की हानि होती है।सभी सुविधाओं और सभी की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए खंडवा को संभाग बनाया जाए। वहीं मंच सदस्यों का कहना है कि अगर खंडवा को संभाग बनाया जाता है,तो निमाड़ क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी और सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन भी तेज होगा। सद्भावना मंच के संस्थापक प्रमोद जैन,उपाध्यक्ष आनंद तोमर,ज च चौरे,गणेश भावसार,सुरेन्द्र गीते,एन के दवे,कमल नागपाल,अर्जुन बुंदेला,त्रिलोक चौधरी,ओम पिल्ले,राधेश्याम शाक्य,योगेश गुजराती,महेश मूलचंदानी,धीरज नेगी,करण लखौरे,सुभाष मीणा और कैलाश पटेल ने मुख्यमंत्री से शीघ्र इस संबंध में निर्णय लेने की अपील की है।

सरदार श्री वल्लभ भाई पटेल का 150वा जन्मोत्सव "राष्ट्रीय एकता दिवस" के रूप में मनाया जाएगा

खंडवा। सरदार श्री वल्लभ भाई पटेल का 150वा जन्मोत्सव 31 अक्टूबर, 2025 को पूरे देशभर में मनाया जा रहा है। राष्ट्रीय एकता, अखण्डता और सुरक्षा को बनाये रखने एवं मजबूत करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। इस उपलक्ष्य में प्रदेश के सभी पुलिस थाना स्तर पर एक एकता दौड़ अर्थात रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया जाएगा। यह एकता दौड़ 31 अक्टूबर को सुबह 8 बजे आयोजित की जाएगी। जिला स्तर पर इस कार्यक्रम के नोडल अधिकारी पुलिस अधीक्षक रहेंगे। पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय ने बताया कि रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम कोई प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि जन समुदाय की भागीदारी का कार्यक्रम है। उन्होंने इस दौड़ में शामिल होने के लिये अधिक से अधिक युवा, खिलाड़ी, नगर एवं ग्राम रक्षा समिति के सदस्य, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी, एनसीसी, एनएसएस, सृजन समूह की बालिकाए ,अभिमन्यु सामुदायिक पुलिस के बालक और पुलिस कर्मियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। इस दौड़ के रूट पर को नो व्हीकल जोन घोषित किया जायेगा। दौड़ में शामिल होने वाले नागरिकों की सुविधा के लिए पीने के पानी, ग्लूकॉज, फर्स्ट एड बॉक्स और एम्बूलेंस की व्यवस्था भी की जायेगी।

आरोपी डॉक्टर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

खंड वा। थाना पिपलोद द्वारा ग्राम गांधवा के तथाकथित झोलाछाप डॉक्टर हिमांशु अहिरवार के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार दिनांक 16.10.25 को सूचनाकर्ता लाबु जमरा पिता रूमजी जमरा जाति बारेला उम्र 35 साल निवासी ग्राम बडा बोरगाव ने थाना हाजिर आकर सूचना किया कि उसका छोटा लडका ओम उम्र करीबन 18 माह दो तीन दिन से दस्त होने से बीमार था । जिसका बोरगाव सरकारी अस्पताल में दिखाया था तथा सरकारी अस्पताल से दवाई लाकर दी थी। तो उसको थोडा आराम हो गया था, फिर दोबारा उसको दस्त लगने लगी तो अपने साढू भाई रमेश सोलंकी निवासी गोनाबैडा पाडल्या के घर पर लेकर आए उसने बोला कि गांधवा में डाक्टर हिमांशु यादव अच्छा ईलाज करता है। जिसको दिखा देते है फिर लडके ओम को गांधवा में डा. हिमांशु यादव को दिखाने के लिए उसके घर पर गए डा. यादव ने लडके ओम को देखकर बोला कि इसको निमोनिया हो गया है बाटल चढाना पड़ेगा। फिर डा. यादव ने उसके क्लीनिक पर लडके ओम को ईलाज हेतु भर्ती कर लिया तथा ओम को एक छोटा बाटल चढाया तथा बाटल खत्म होने पर बडा बाटल चढाया तथा बाटल में पांच ईजेक्शन डाला, बाटल आधा चढने के बाद डाक्टर हिमांशु वहा से चला गया था, थोडी देर बाद ओम की मौत हो चुकी थी। लाबु की सूचना पर मर्ग क्र.76/25 धारा 194 बीएनएसएस कायम कर जांच की गई। पी एम रिपोर्ट प्राप्त कर हिमांशु यादव के ईलाज करने की पात्रता व रजिस्ट्रेशन के संबंध मे मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला खंडवा से जानकारी प्राप्त की गई, जो ईलाज करने वाले डॉक्टर के पास कोई वैध दस्तावेज होना नही पाया गया। दिनांक 29.10.25 को डॉक्टर हिमांशु यादव पिता गणेश यादव निवासी ग्राम गांधवा के विरूद्ध अपराध धारा 106(1) बी.एन.एस.एवं धारा 24 म.प्र.राज्य आयुर्विज्ञान परिषद एक्ट (1956, 1958) का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया जाकर आरोपी हिमांशु पिता गणेश अहिरवार जाति यादव निवासी ग्राम गांधवा थाना पिपलोद को थाने पर दिनांक 29.10.25 को गिरफ्तार किया गया है।

इंदिरा सागर में मुख्यमंत्री छोड़ेंगे छह मगरमच्छ

नवभारत न्यूज

खंडवा-बीड़-मूंदी। मां नर्मदा के वाहक 6 मगरमच्छ नर्मदानगर के इंदिरा सागर में छोड़े जा रहे हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव इसके लिए नर्मदानगर 30 अक्टूबर को पहुंचेंगे।

मुख्यमंत्री का कहना है कि जल जीव और मनुष्य का हजारों साल पुराना नाता है। मगरमच्छों के नर्मदा की जलधारा में छोड़ने से उनका तेजी से विकास भी होगा।

इसी मसले पर कुछ मछुआरों ने विरोध करते हुए कहा है कि इंदिरा सागर के बड़े ठेकेदारों को लाभ देने के लिए यह किया जा सकता है। सैकड़ों मछुआरे यहां मछली मारते हैं। वे डरेंगे और बड़े लोगों को फायदा होगा। मुख्यमंत्री ने कहा है कि ऐसे स्थान पर मगरमच्छ छोड़े जाएंगे, जहां मनुष्य प्रजाति को किसी भी तरह का खतरा ना हो।

नर्मदा जल मगरमच्छों की जीवनधारा

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार पुण्य सलिला माँ नर्मदा के वाहन मगरमच्छ को माँ नर्मदा में बसाने का अपना संकल्प पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। मगरमच्छों के आवास के लिए नर्मदाजी की धारा अत्यंत अनुकूल है।

गुरुवार को छोड जाएंगे मगरमच्छ

गुरुवार 30 अक्टूबर को माँ नर्मदा के जल में मगरमच्छों को छोड़ा जाएगा। राज्य सरकार सभी प्रकार के जीवों के संरक्षण के लिए संकल्पित है। प्रदेश में वन्य जीवों के साथ ही घड़ियाल, मगरमच्छ जैसे सभी प्रकार के जलीय जीवों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। गत वर्ष चंबल नदी में घड़ियाल छोड़े गए थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह जानकारी अटल पथ पर मीडिया से चर्चा के दौरान दी।

वन्यजीव संरक्षण का अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सभी प्रकार के वन्यजीवों के संरक्षण का अभियान चल रहा है। भारतीय संस्कृति में मनुष्य एवं वन्य जीव परस्पर एक-दूसरे पर निर्भर हैं। मां नर्मदा जी का वाहन निर्मल जल में अठखेलियां करता दिखाई देगा। नर्मदाजी में मगरमच्छों को छोड़ते समय इस बात का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा कि इस जलीय जीव को ऐसे स्थान पर छोड़ा जाए, जहां लोगों को इससे खतरा न हो। मगरमच्छों की मौजूदगी मां नर्मदा के लिए शुभ होगी और यह जल की धारा को सशक्त बनाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 30 अक्टूबर को खण्डवा जिले के नर्मदानगर प्रवास पर रहेंगे।

मगरमच्छ छोड़ने का मछुआरों ने किया विरोध

छोटे मछुआरों ने इस मसले को उचित नहीं बताया है। उन्होंने कहा कि इससे सैकड़ो छोटे मछुआरों के जीवन को भी खतरा हो सकता है। डर के कारण ये इंदिरा सागर में मछली नहीं मारेंगे और बड़े ठेकेदारों को इससे फायदा होगा। छोटे मछुआरों को डराने के लिए यह कदम उठाया जा सकता है । इंदिरा सागर डेम में सैकड़ों मछुआरे दिन रात मछली पकड़ कर अपना जीवन यापन करते है। उनके लिए यह खतरे की घंटी है। इस कार्यक्रम का पूरा मछुआरा समाज पुरजोर विरोध करता है। अश्विनी चौहान अध्यक्ष फिशरमैन कांग्रेस, कहार माझी समाज खंडवा ने सीएम से इस पर विचार करने की अपील की है।

मिक्स कचरा डालने वालों की खैर नहीं निगम के कर्मी धड़ाधड़ कर रहे जुर्माना

नवभारत न्यूज

खंडवा। नगर निगम स्वच्छता बनाने के लिए अब और कड़क रुक अख्तियार कर रही है। शहर के कुछ लोग अब भी इसे बड़ा गांव ही समझ रहे हैं। इस शहर की सुंदरता चाहने वाले लोगों का भी नुकसान हो रहा है। पॉजिटिव विचारधारा वाले लोग अधिक हैं, लेकिन इन लोगों की वजह से शहर का नाम खराब हो रहा है।

महापौर और निगम के अफसरों ने कर्मचारियों से कहा है, कि वे अधिक नरमाई न बरतें। यदि ऐसा किया तो उन पर भी कार्रवाई हो सकती है।

मिक्स कचरा डालने वालों पर जुर्माना

झोन क्रमांक 01 के अंतर्गत वार्ड 03 एवं 35 में गंदगी फैलाने और मिक्स कचरा देने वालों पर 350 रूपए का जुर्माना लगाया गया। 28 अक्टूबर को भी 1250 की कार्रवाई की गई थी। इस प्रकार दो दिनों में कुल 1600 रुपएकी राशि वसूल की गई।

यह टीम रख रही सतर्कता

झोन प्रभारी भुवन श्रीमाली के मार्गदर्शन में वार्ड प्रभारी रहीश खान, अंकित देशमुख, इमरान पठान, आकाश सारसर एवं कमल तायडे की उपस्थिति में की गई। नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे गीला-सूखा कचरा अलग-अलग दें और पॉलिथीन का उपयोग न करें।

गौमाता और भारतमाता की 1100 दीपक से हुई आरती

नवभारत न्यूज

खंडवा। बुधवार को श्री गणेश गौशाला में गोपाष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रात काल गोपूजन एवं गौग्रास के कार्यक्रम में पधारे घोगली राजना पांढुर्ना के संत विवेक एवं संत सिंगाजी समाधि के महंत रतन लाल के सानिध्य में कार्यक्रम संपन्न हुआ ।

कार्यक्रम में महंत अर्जुन दास, खंडवा विधायक कंचन तनवे, महापौर अमृता यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी वानखेड़े, मांधाता विधायक नारायण पटेल, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए ।

इस अवसर पर संत विवेक ने कहा कि गौ माता को पालना हम सब का दायित्व है और यह हमारे वेद काल से ही पूजित है । लेकिन आज परिस्थितियां बदल रही है व्यक्ति पश्चिम के दुष्प्रभाव में आकर गौ माता से दूर होते जा रहा है ऐसे में गौ माता को सड़कों पर छोड़ दिया गया है और जो प्राणी कुत्ते, बिल्ली बाहर रहते थे उन्हें घर के अंदर प्रवेश दे दिया है । इससे हमारा मानस भी बदलते जा रहा है गौ माता को हमें पूज्य दर्जा पुनः देना पड़ेगा और इसके लिए घर-घर गोपालन करना आवश्यक है ।

समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि श्री गणेश गौशाला का यह शताब्दी वर्ष है बड़े धार्मिक उत्साह के साथ गौशाला में गोपा अष्टमी का पर्व मनाया गया। गौशाला की संपूर्ण जानकारी गौशाला के सचिव रामचंद्र मौर्य द्वारा द्वारा प्रस्तुत की गई। गोपाष्टमी के पर्व पर खंडवा विधायक कंचन तनवे ने गौ माता को जल सुविधा हेतु एक इंजन युक्त 5000 लीटर का पानी टैंकर भी प्रदान किया। इसके पूर्व विधायक कंचन मुकेश तनवे ने विद्युत व्यवस्था के लिए सौर ऊर्जा हाई मास्क भी प्रदान किया था।

इस अवसर पर महापौर अमृता यादव ने नवीन गौशाला हेतु सरकार से अधिकतम सहायता प्रदान करवाने का वचन भी दिया । कार्यक्रम में संत सिंगाजी आश्रम के महंत रतन लाल जी ने कहा कि गाय हमारे निमाड़ की पहचान है और संत सिंगाजी जैसे महापुरुष की यह कर्मभूमि है तपोभूमि है ऐसे में हमारा दायित्व बनता है कि हम पशुपालन को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करें । कार्यक्रम में उपस्थित जन ने पहले भगवान बालमुकुंद का पूजन किया उसके पश्चात गौ माता का पूजन कर उन्हें गौग्रास करवाया इसमें बड़ी संख्या में नगरजन उपस्थित हुए ।

सुनील जैन ने बताया कि आयोजित कार्यक्रम में संचालन भूपेंद्र सिंह चौहान द्वारा किया गया

सायं कालीन कार्यक्रम में 1100 दीपक से भारत माता,गौमाता की आरती हुई। जिसमें छप्पन भोग दर्शन,पूजन एवं गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा का कार्यक्रम हुआ। इसके पश्चात देर रात्रि तक गरबा का आयोजन गौ माता के सम्मुख हुआ।

कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष राकेश बंसल, सचिव रामचंद्र मौर्य ,भूपेंद्र सिंह चौहान, निहारिका बंसल,अखिलेश गुप्ता, आशीष चटकेले,सुनील बंसल, अनिल मित्तल,मुकेश तंनवे, महेंद्र शर्मा, पंकज शर्मा, भावेश बिल्लौरे, सुनील जैन,त्रिलोक पटेल, धर्मेंद्र बजाज, सेवादास पटेल,सतनाम होरा योगिता माहेश्वरी, चेतना शर्मा, सरिता महोदय, शिवप्यारी मौर्य, शशिकला मालवीय सहित बड़ी संख्या में नगरजन सम्मिलित हुए ।

अवैध शराब, गुंडे-बदमाशों के खिलाफ की जा रही है कार्रवाई

खंडवा। पुलिस अधीक्षक खंडवा मनोज कुमार राय के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राजेश रघुवंशी व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) महेंद्र तारणेकर के मार्गदर्शन में 14 गिरफ़्तारी, 38 जमानती वारंट, 79 समन जिले के विभिन्न थानो के द्वारा अलग-अलग न्यायालय के तामील किये गए। अवैध शराब बिक्री करने वालो के विरुद्ध थाना जावर के आरोपी नीरज पिता जगदीश फरकले जाति बलाही उम्र 23 साल के कब्जे से अबैध 08 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमती 800/- रु. की जप्त की गई। आरोपी हरिओम पिता लवकुश हरियाले जाति चमार उम्र 31 साल के कब्जे से अबैध 09 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमती 900/-रु.की जप्त की गई। आरोपी नवीन पिता बसन्त तिरोले उम्र 35 साल के कब्जे से 25 क्वाटर देशी प्लेन शराब कीमती 1750/-रु. की जप्त की गई। उक्त तीनों आरोपियों के विरुद्ध धारा 34(1) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। थाना कोतवाली के आरोपी शरीफ पिता नजीर खान जाति मुसलमान उम्र 58 साल निवासी परदेशीपुरा खंडवा थाना मोघट रोड जिला खंडवा के कब्जे से सट्टा अंक लिखी 06 पर्चिया, एक ब्लेक रंग का पेन व नगदी 340/- रूपए समक्ष पंचान जप्त किये। उक्त आरोपी के विरुद्ध धारा 4 क सट्टा एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। जिले के विभिन्न थानों में 35 असामाजिक तत्वों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। धारा 126/ 135बीएनएसएस के तहत 25 प्रकरणों मे 30 अनावेदकों के विरुद्ध,धारा 170 बीएनएसएस के तहत 05 प्रकरण मे 05 अनावेदक के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। जिले में 19 अनावेदक के विरुद्ध बाउंड ओवर की कार्रवाई की गई है। जिला खंडवा मे समस्त थाना प्रभारियों द्वारा यातायात नियमो का उलंघन करने वाले दो पहिया एवं चार पहिया वाहन चालको के विरुद्ध बिना नंबर प्लेट,तीन सवारी,बिना हेलमेट, सीटबेल्ट न लगाने वाले तथा अन्य यातायात नियमो का उलंघन करने वाले 23 वाहन चालकों के विरुद्ध एमव्हीएक्ट के तहत कार्रवाई की गई एवं समन शुल्क11100 /-रु.वसूल किए गए है।

पंधाना मंडी सचिव की लापरवाही देख विधायक पहुंचीं,अफसरों को मौके पर बुलाया

नवभारत न्यूज

पंधाना, प्रदीप मालवीय। पंधाना क्षेत्र और आसपास के 96 से अधिक गांव से जुड़ी कृषि उपज मंडी अनियमिताओं का शिकार हो रही है।लगातार किसानों की उपज तौलने में भी परेशानी जा रही थी। तौल कांटे और अन्य मशीनें खराब थी।

किसानों की उपज लेने में व्यापारी आनाकानी कर रहे थे। विधायक छाया मोरे पंधाना की मंडी में किसानों की शिकायत पर पहुंचीं। उन्होंने सारी समस्याएं कलेक्टर को मोबाइल पर बताते हुए कहा कि ऐसे काम नहीं चलेगा।

एसडीएम व अपर कलेक्टर पहुंचे

कलेक्टर ने तुरंत एसडीएम और अपर कलेक्टर दोनों को मंडी में भेजा।किसानों के सामने ही छाया मोरे और किसानों ने समस्याएं गिनाई तथा इनका निराकरण तुरंत करने के लिए कहा। कई मामलों में समस्या का निदान कर दिया गया। जानवर भी मंडी में घुसकर फसल खा रहे थे। इसके लिए भी रोक लगाने के लिए कहा गया।

कई कर्मचारी बराबर मंडी में नहीं पहुंचते हैं। मंडी सचिव लापरवाही से काम कर रहे हैं। इन पर कार्रवाई की भी किसान और विधायक ने मांग की है।

मक्का का भाव अच्छा रहे

छाया मोरे ने कहा कि मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार किसानों के लिए अति संवेदनशील है। ऐसे मामले में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। व्यापारियों को भी मौके पर ही बुलाया गया। मक्का की फसल खरीदने के लिए उनसे कहा गया भाव भी अच्छा होना चाहिए। हालांकि, मक्का की फसल में अभी नमी अधिक आने के कारण भाव कम है व, लेकिन इसका निराकरण होना चाहिए।

पर्यटन स्थल हनुमंतिया — दिल्ली की निजी कंपनी को मिला टेंट सिटी लगाने का टेंडर, जल महोत्सव को लेकर तैयारियां कुछ भी नहीं

दिसंबर में तारीख तय होगी जल महोत्सव की

नवभारत न्यूज

बीड़। इस वर्ष जल महोत्सव को लेकर पर्यटन निगम के द्वारा तैयारी तो पूरी हो गई हैं, लेकिन निजी कंपनी से अभी किसी प्रकार का एग्रीमेंट नहीं किया गया है, न ही कोई तारीख तय नहीं हो पाई है।

पर्यटन निगम के सूत्रों के अनुसार दिसंबर में तारीख तय हो जाएगी। यह महोत्सव दिसंबर के आखिरी सप्ताह से शुरू हो जाएगा ।

टेंडर हुआ,फिर भी सरकार चुप

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा इस जल महोत्सव की नींव रखी थी,लेकिन मुख्यमंत्री बदलने के बाद 2024 ,25 में जल महोत्सव नहीं मनाया गया। इस वर्ष जल महोत्सव को लेकर टेंट सिटी लगाने अन्य एक्टिविटी का टेंडर भी हो चुका है। यह दिल्ली की निजी कंपनी को मिला है।

तारीख पर अब भी संशय

पर्यटन स्थल हनुमंतिया में जल महोत्सव को लेकर किसी प्रकार की कोई तैयारी नहीं की गई है, क्योंकि अभी तक तारीख तय नहीं हो पाई है।

उम्मीद लगाई जा रही है कि दिसंबर में तारीख तय हो जाएगी। यह दिसंबर से जनवरी तक जल महोत्सव रहेगा।

तेज लहरों के कारण वोटिंग रही बंद

बुधवार से मौसम का करवट बदल गया,जिससे तेज हवा चलती रहीं। हवा के कारण इंदिरा सागर के जलाशय मैं बड़ी-बड़ी लहरे उठने लगीं। जिसके कारण पर्यटन निगम द्वारा वोटिंग बंद रही। वैसे पर्यटन निगम की बड़ी लापरवाही देखने को मिली है। बोट्स खड़ी करने के लिए कोई सेफ्टी वाली जगह नहीं है,जिससे पानी की तेज लहरों के कारण पानी बोर्ड के अंदर चला जाता है। जिसके कारण वोटिंग क्षतिग्रस्त होती है। ऐसा क्रूज पर हाउसबोट में हुआ है। यह पानी के लहरों के कारण ही क्षतिग्रस्त हुई है। लाखों रुपए की वोटिंग पर किसी का ध्यान आकर्षित नहीं है।